



24 February, 2024

विद्युत (उपभोक्ताओं के अधिकार) नियम

संदर्भ: भारत सरकार ने हाल ही में विद्युत (उपभोक्ताओं के अधिकार) नियम 2020 में संशोधन के लिए अपनी मंजूरी दे दी है।

रूफटॉप सोलर सिस्टम की तेज़ और सुगमतापूर्वक स्थापना:

- उक्त नियमों में संशोधनों का उद्देश्य रूफटॉप सोलर PV सिस्टम स्थापित करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है।
- इस नियम में 10 किलोवाट क्षमता तक की प्रणालियों के लिए तकनीकी व्यवहार्यता अध्ययन से छूट दी गई है।
- 10 किलोवाट से ऊपर की प्रणालियों के लिए व्यवहार्यता अध्ययन की समयसीमा घटाकर 15 दिन कर दी गई है।
- 5 किलोवाट क्षमता तक की प्रणालियों के लिए वितरण प्रणाली का सुदृढ़ीकरण वितरण कंपनी द्वारा अपनी लागत पर किया जाएगा।
- इसके साथ ही कमीशनिंग की समय-सीमा घटाकर 15 दिन कर दी गई।

इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों के लिए अलग कनेक्शन:

- उपभोक्ता अब इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए अलग से बिजली कनेक्शन प्राप्त कर सकते हैं।
- यह नियम विद्युत उपभोग को कार्बन उत्सर्जन को कम करने के राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप बनाएगा।

सरकार का उपभोक्ता-केंद्रित दृष्टिकोण:

- यह संशोधन उपभोक्ता हितों और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हैं।
- यह नियम बिजली वितरण कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के लिए एक मानक निर्धारित करते हैं।
- नए कनेक्शन के लिए बिलिंग, शिकायतें, मुआवजा और समय-सीमा जैसे पहलुओं को कवर किया जाएगा।
- उपभोक्ताओं द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के लिए समर्थन किया जा रहा है।
- यह संशोधन उपभोक्ता सशक्तिकरण को और मजबूत करते हैं।

पॉज़िट्रोनिम का लेजर शीतलन

संदर्भ: अंतरराष्ट्रीय सहयोग के शोधकर्ताओं ने पहली बार पॉज़िट्रोनिम की लेजर कूलिंग (शीतलन) का सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

निर्णायक उपलब्धि:

- CERN में AEgIS सहयोग द्वारा पहली बार पॉज़िट्रोनिम की लेजर कूलिंग (शीतलन) प्राप्त की गई थी।
- यह उपलब्धि पदार्थ और प्रति-पदार्थ के बीच की अंतःक्रिया को समझने के उद्देश्य से उन्नत अध्ययनों की सम्भावनाओं को बढ़ाती है।

योगदान और चुनौतियाँ:

- बेंगलुरु में रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट के एक शोधकर्ता के नेतृत्व में भारतीय प्रयास ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- हाल की तकनीकी प्रगति ने पॉज़िट्रोनिम को लेजर से ठंडा करने की सुविधा प्रदान की है।
- पॉज़िट्रोनिम के लेजर शीतलन के दौरान सटीक लेजर संरेखण आवश्यकताओं के कारण इसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, विशेष रूप से पराबैंगनी और अवरक्त लेजर के संबंध में।
- इस शोध का परिणाम, लगभग 380 केल्विन से लगभग 170 केल्विन तक शीतलन को प्रदर्शित करते हुए, फिजिकल रिव्यू लेटर्स में प्रकाशित किए गए थे।
- यह प्रयोग एक चुनौतीपूर्ण त्वरक बीम हॉल वातावरण में आयोजित किया गया था, जिसमें लेजर संरेखण और पहचान तकनीकों के लिए अभिनव समाधान की आवश्यकता थी।
- एंटी-परमाणुओं की लेजर कूलिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपिक तुलना क्वांटम इलेक्ट्रो डायनेमिक्स (क्यूईडी) के लिए महत्वपूर्ण परीक्षण हैं।
- यह सफलता बोस आइंस्टीन कंडेनसेट्स जैसे विदेशी सिस्टम बनाने और तुल्यता सिद्धांत का परीक्षण करने के उद्देश्य से आगे के प्रयोगों का मार्ग प्रशस्त करती है।

योगदान और चुनौतियाँ:

- बेंगलुरु में रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट के एक शोधकर्ता के नेतृत्व में भारतीय प्रयास ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- हाल की तकनीकी प्रगति ने पॉज़िट्रोनिम को लेजर से ठंडा करने की सुविधा प्रदान की है।
- सटीक लेजर संरेखण आवश्यकताओं के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा, विशेष रूप से पराबैंगनी और अवरक्त लेजर के साथ।
- परिणाम, लगभग 380 केल्विन से लगभग 170 केल्विन तक शीतलन को प्रदर्शित करते हुए, फिजिकल रिव्यू लेटर्स में प्रकाशित किए गए थे।
- प्रयोग एक चुनौतीपूर्ण त्वरक बीम हॉल वातावरण में आयोजित किया गया था, जिसमें लेजर संरेखण और पहचान तकनीकों के लिए अभिनव समाधान की आवश्यकता थी।
- एंटी-परमाणुओं की लेजर कूलिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपिक तुलना क्वांटम इलेक्ट्रो डायनेमिक्स (क्यूईडी) के लिए महत्वपूर्ण परीक्षण हैं।
- यह सफलता बोस आइंस्टीन कंडेनसेट्स जैसे विदेशी सिस्टम बनाने और तुल्यता सिद्धांत का परीक्षण करने के उद्देश्य से आगे के प्रयोगों का मार्ग प्रशस्त करती है।

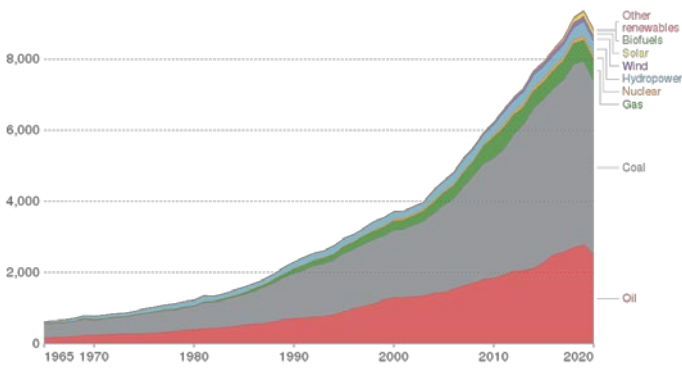
पॉज़िट्रोनिम

संरचना और विशेषताएँ:

- पॉज़िट्रोनिम (Ps) एक इलेक्ट्रॉन और उसके प्रति-कण, एक पॉज़िट्रॉन से बना है, जो एक विदेशी परमाणु बनाता है जिसे ऑनियम के रूप में जाना जाता है।

Energy consumption by source, India

Primary energy consumption is measured in terawatt-hours (TWh). Here an inefficiency factor (the 'substitution' method) has been applied for fossil fuels, meaning the shares by each energy source give a better approximation of final energy consumption.



Source: BP Statistical Review of World Energy
Note: 'Other renewables' includes geothermal, biomass and waste energy.

शीघ्र नए कनेक्शन और संशोधन:

- नए बिजली कनेक्शन के लिए कम समयसीमा:
 - महानगरीय क्षेत्रों में 3 दिन, अन्य नगरपालिका क्षेत्रों में 7 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 15 दिन (पहाड़ी इलाकों को छोड़कर) निर्धारित की गई है।
 - पहाड़ी इलाकों वाले ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त समय 30 दिन रहता है।
- आवासीय कॉलोनियों और फ्लैटों में उपभोक्ताओं के अधिकार:
 - आवासीय परिसरों के मालिक प्रत्येक इकाई के लिए अलग-अलग कनेक्शन या पूरे परिसर के लिए एकल-बिंदु कनेक्शन के बीच विकल्पों का चयन कर सकते हैं।
 - विकल्प चयन के लिए वितरण कंपनी द्वारा पारदर्शी मतदान आयोजित किया जाता है।
 - एकल-बिंदु और व्यक्तिगत कनेक्शन के लिए टैरिफ में समानता।
 - व्यक्तिगत खपत, बैकअप पावर और सामान्य क्षेत्रों के लिए अलग-अलग मीटरिंग, बिलिंग और संग्रह मकी सुविधा भी उपलब्ध होगी।

शिकायतों के लिए अनिवार्य अतिरिक्त मीटर:

- वितरण लाइसेंसधारी को मीटर रीडिंग विसंगतियों के संबंध में, प्राप्त शिकायत के 5 दिनों के भीतर अतिरिक्त मीटर स्थापित करना होगा।
- अतिरिक्त मीटर का उपयोग न्यूनतम 3 महीने के लिए खपत को सत्यापित करने के लिए किया जाता है।

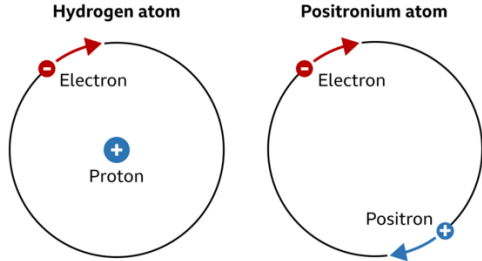
Face to Face Centres





24 February, 2024

- हाइड्रोजन के विपरीत, Ps में प्रोटॉन की कमी होती है और यह अस्थिर होता है, जिससे विनाश और गामा-किरण उत्सर्जन होता है।
- इसमें ऊर्जा का स्तर हाइड्रोजन के समान होता है, लेकिन द्रव्यमान कम होने के कारण वर्णक्रमीय रेखन आवृत्तियाँ कम होती हैं।



A hydrogen atom is made up of a positively charged proton and negatively charged electron

Positronium has a negatively charged electron and a positive positron

Source: BBC research, Cern

BBC

● गठन और क्षय:

- β^+ क्षय में उत्सर्जित पॉज़िट्रॉन, संदर्भित सामग्रियों में इलेक्ट्रॉनों के साथ नष्ट होने से पहले पॉज़िट्रोनियम बना सकते हैं।
- लगभग 60% पॉज़िट्रॉन सीधे इलेक्ट्रॉनों के साथ नष्ट हो जाते हैं, जिससे दो गामा किरणें उत्पन्न होती हैं।
- यह लगभग 10% पैरा-पॉज़िट्रोनियम बनाता है, जो तुरंत दो गामा किरणों में विघटित हो जाता है।
- यह मोटे तौर पर 30% ऑर्थो-पॉज़िट्रोनियम बनाता है, जो फिर नैनोसेकंड के भीतर नष्ट हो जाता है, अक्सर दो गामा किरणें उत्सर्जित करता है।
- केवल लगभग 0.5% स्व-क्षयकारी ऑर्थो-पॉज़िट्रोनियम बनाता है, जो धीमी प्राकृतिक क्षय दर के कारण तीन गामा किरणें छोड़ता है।

● बाह्य यौगिक और अणु:

- आगामी संभावनाएं Ps के आणविक बंधन संबंधी सुझाव देती हैं, जिससे पॉज़िट्रोनियम हाइड्राइड (PsH) और साइनाइड जैसे यौगिक बनते हैं।
- डाइ-पॉज़िट्रोनियम (Ps₂) अणु, जिसमें दो Ps परमाणु शामिल हैं, पहली बार वर्ष 2007 में देखे गए थे।

● म्यूऑनियम और प्राकृतिक घटना से अंतर:

- म्यूऑनियम के विपरीत, इलेक्ट्रॉन और पॉज़िट्रॉन के समान द्रव्यमान के कारण Ps में नाभिकीय संरचना का अभाव होता है।
- पॉज़िट्रोनियम आकार, ध्रुवीकरण और बंधन ऊर्जा में हाइड्रोजन से विभेदी गुण प्रदर्शित करता है।
- पॉज़िट्रोनियम स्वाभाविक रूप से प्रारंभिक ब्रह्मांड की घटनाओं में या वर्तमान समय में नहीं पाया गया था, बल्कि यह ब्रह्मांडीय विनाश से पहले ऊष्मीय रूप से अत्यधिक ऊर्जावान था।

भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग

संदर्भ: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि टाटा समूह और टॉवर सेमीकंडक्टर, एक इजराइली चिप कंपनी, दोनों ने देश के भीतर फाउंड्री स्थापित करने के लिए आवेदन जमा किए हैं।

➤ भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग:

● विभिन्न क्षेत्रों का अभिनंग अंग:

- सेमीकंडक्टर उद्योग लगभग सभी क्षेत्रों के लिए अपरिहार्य बन गया है, जो आधुनिक जीवन की दक्षता और बुद्धिमत्ता को आकार देने वाले महत्वपूर्ण उद्योगों में से एक के रूप में उभर रहा है।

● बहुमुखी अनुप्रयोग:

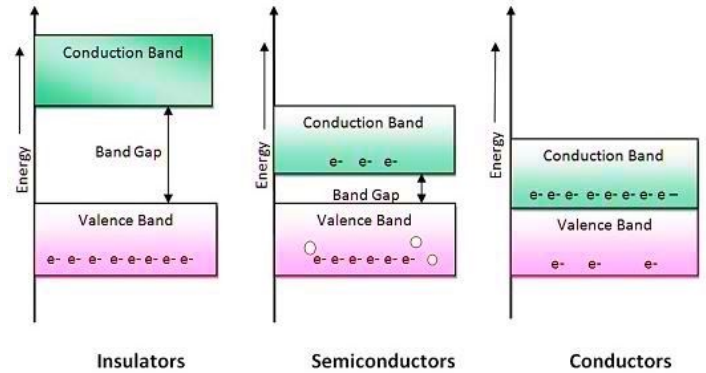
- सेमीकंडक्टर या चिपसेट इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों, आईटी हार्डवेयर, रक्षा प्रौद्योगिकी, औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स, स्वचालन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) तक विस्तारित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रौद्योगिकियों की एक विस्तृत श्रृंखला में उपयोगी हैं।

➤ सेमीकंडक्टर डिजाइन के लिए केंद्र:

- भारत ने खुद को सेमीकंडक्टर डिजाइन के केंद्र के रूप में स्थापित किया है, जहां वार्षिक रूप से लगभग 2,000 चिप्स डिजाइन किए जाते हैं और 20,000 से अधिक इंजीनियर चिप डिजाइन और सत्यापन के विभिन्न पहलुओं से सम्बंधित हैं।

➤ विदेशी निवेश आकर्षित करना:

- भारत सक्रिय रूप से सेमीकंडक्टर उद्योग में विदेशी निवेश और भागीदारी की अवसर तलाश कर रहा है, जैसा कि यूएस सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री एसोसिएशन (SIA) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (IESA) के बीच सहयोग जैसी पहलों से उजागर होता है।



➤ सरकारी प्रयास:

● एफएबी इकाइयों को बढ़ावा देना:

- भारत सरकार ने भारत में सेमीकंडक्टर वेफर/डिवाइस फैब्रिकेशन प्लांट (FAB) की स्थापना या विस्तार के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। साथ ही एक स्थायी सेमीकंडक्टर सहित डिस्प्ले विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए कार्यक्रमों का अनावरण किया है।

● डिजाइन लिंकड प्रोत्साहन:

- डिजाइन लिंकड इंसेंटिव (डीएलआई) योजना सहित विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण को प्रोत्साहित करना है।

● बुनियादी ढाँचा विकास:

- पूर्वोत्तर भारत में NIELIT केंद्र स्थापित करने की पहल के साथ-साथ चिप बनाने की सुविधाएं और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर स्थापित करने की योजनाएं; सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।

➤ भारत सेमीकंडक्टर मिशन:

● आईएसएम का उद्देश्य:

- डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के तहत संचालित इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) का लक्ष्य भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और डिजाइन के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए एक जीवंत सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले इकोसिस्टम का निर्माण करना है।

● सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम:

- वर्ष 2021 में स्वीकृत सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम, सेमीकंडक्टर फैब, डिस्प्ले फैब, कंपाउंड सेमीकंडक्टर, सेंसर फैब, सेमीकंडक्टर पैकेजिंग और सेमीकंडक्टर डिजाइन में लगी कंपनियों को प्रोत्साहन सहायता प्रदान करना चाहता है, जिससे भारत में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

Face to Face Centres





NEWS IN BETWEEN THE LINES

UNCTAD और लाल सागर में शिपिंग व्यवधान



हाल ही में, व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD) ने बताया कि हूटी विद्रोहियों के हमलों के कारण लाल सागर शिपिंग में व्यवधान ने स्वेज नहर के माध्यम से यातायात को काफी हद तक बाधित कर दिया है।

UNCTAD के बारे में:

- संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (UNCTAD) संयुक्त राष्ट्र महासभा का एक स्थायी निकाय है।
- इसकी स्थापना 1964 में विकासशील देशों में व्यापार, निवेश और विकास को बढ़ावा देने के लिए की गई थी।
- इसका उद्देश्य विशेष रूप से विकासशील देशों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, निवेश, वित्त और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से सतत विकास को बढ़ावा देना है।
- यह व्यापार और विकास रिपोर्ट, विश्व निवेश रिपोर्ट और कम से कम विकसित देशों की रिपोर्ट प्रकाशित करता है।
- इसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड के जिनेवा में है।

स्वेज नहर के बारे में:

- स्वेज नहर भूमध्य सागर पर पोर्ट सईद को लाल सागर पर सुएज के मिस्स शहर के माध्यम से हिंद महासागर से जोड़ती है।
- यह एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्ग के रूप में कार्य करता है, जो यूरोप और एशिया के बीच अफ्रीका का चक्कर लगाए बिना नेविगेशन की सुविधा प्रदान करता है।
- यूनिवर्सल स्वेज शिप केनाल कंपनी 1858 में बनी; नहर 1869 में अंतर्राष्ट्रीय नौवहन के लिए खोली गई।
- 1956 तक ब्रिटिश शक्तियों द्वारा नियंत्रित; स्वेज संकट के दौरान मिस्स द्वारा राष्ट्रीयकृत; 1957 में अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए फिर से खोला गया।

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण



हाल ही में, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने भूजल में जहरीले आर्सेनिक और फ्लोराइड संदूषण के संबंध में सामान्य प्रतिक्रिया और ठोस कार्रवाई की कमी के लिए केंद्रीय भूजल प्राधिकरण की आलोचना की।

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के बारे में:

- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल भारत में एक वैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान के लिए 2010 में की गई थी।
- राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम 2010 पर्यावरण संरक्षण और वनों के संरक्षण से संबंधित मामलों को शीघ्रता से निपटाने के लिए एक विशेष न्यायाधिकरण के निर्माण की अनुमति देता है।
- यह एक विशेष न्यायिक निकाय है जो बहु-विषयक मुद्दों के साथ पर्यावरणीय विवादों पर सुनवाई करता है।
- ट्रिब्यूनल में एक अध्यक्ष, न्यायिक सदस्य और विशेषज्ञ सदस्य होते हैं, जो 5 वर्षों तक सेवा करते हैं और उन्हें दोबारा नियुक्त नहीं किया जा सकता है।

केंद्रीय भूजल प्राधिकरण:

- केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) एक वैधानिक निकाय है जो भारत में भूजल विकास का प्रबंधन और नियंत्रण करता है।
- इसकी स्थापना 1997 में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत की गई थी।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- यह समय-समय पर निगरानी कुओं के नेटवर्क के माध्यम से देश भर में भूजल स्तर की निगरानी करता है।
- यह एक अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी करता है जो दो साल के लिए वैध होता है।
- यह पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 15-21 में दंडात्मक प्रावधानों को भी लागू करता है।

तमिराबरानी नदी



हाल ही में, अत्री के (ATREE's Agasthyamalai Community) आगस्त्यमलाई सामुदायिक संरक्षण केंद्र और सादकतुल्लाह अप्पा कॉलेज के जूलांजी विभाग द्वारा तमिराबरानी नदी की स्थानिक और लुप्तप्राय मछलियों के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।

तमिराबरानी/ थमिराबरानी नदी के बारे में:

- तमिराबरानी नदी, जिसे तम्रपर्णी या पोरुणई के नाम से भी जाना जाता है, तमिलनाडु में एक बारहमासी नदी है।
- यह पश्चिमी घाट की पौथीगई पहाड़ियों से निकलती है, तिरुनेलवेली और तूथुकुडी जिलों से होकर बहती है और मन्नार की खाड़ी में गिरती है।
- विविध जल संग्रहण प्रणालियों के बावजूद 2016 में इसे गंभीर सूखे का सामना करना पड़ा था।

मछलियों की विविधता:

- नदी बेसिन में 125 प्रजातियों के साथ एक अत्यधिक विविध मत्स्य जीव पाया जाता है, जिसमें छह लुप्तप्राय और चार संकटग्रस्त प्रजातियां शामिल हैं।
- तमिराबरानी नदी की मछलियां तमिलनाडु की कुल मीठे पानी की मछली विविधता में लगभग 86% का योगदान करती हैं, जिनमें से कई स्थानिक प्रजातियां केवल इसी नदी बेसिन में पाई जाती हैं।
- आम कार्प, तिलापिया और गम्पी जैसी आक्रामक प्रजातियों को 1970 के दशक से दर्ज किया गया है।

सुर्खियों में स्थल

संत गुरु रविदास


हाल ही में, भारत के राष्ट्रपति ने गुरु रविदास की जयंती की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं।

संत गुरु रविदास के बारे में:

- संत गुरु रविदास का जन्म 1450 में उत्तर प्रदेश के चारणसी के सीर गोविंदपुर में एक अछूत चर्मकार जाति में हुआ था।
- उनकी जयंती, रविदास जयंती, माघ पूर्णिमा, माघ माह की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है।
- भक्ति आंदोलन, विशेष रूप से रामानंद और कबीर की शिक्षाओं से प्रभावित होकर, गुरु रविदास ने अपना जीवन साधुओं, संतों और वचिंतों की सेवा में समर्पित कर दिया।
- वे निर्गुण भक्ति परंपरा के एक प्रमुख कवि और संत बने।
- सिखों के पवित्र ग्रंथ आदि ग्रंथ में गुरु रविदास के 41 छंद शामिल हैं।
- गुरु रविदास ने खुले तौर पर जाति व्यवस्था और ब्राह्मणवादी समाज का विरोध किया, पूजा में प्रेम और भक्ति के संदेश को फैलाने में भक्ति आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- संत रविदास ने कहा था, "जो मन चंगा तो कथाउती में गंगा" यानी यदि किसी का मन और विचार शुद्ध हैं, तो उसे बाहरी स्थानों में पवित्रता की तलाश करने की आवश्यकता नहीं है।





	<p>भक्ति आंदोलन:</p> <ul style="list-style-type: none"> 7 वीं और 9वीं शताब्दी के बीच तमिलनाडु में उत्पन्न, भक्ति आंदोलन ने पूजा में भावनात्मक भक्ति पर जोर दिया, जैसा कि नायनारों और अलवरों की कविताओं में देखा गया है। भक्ति संतों द्वारा क्षेत्रीय भाषाओं के उपयोग से इसे धीरे-धीरे उत्तर भारत में फैलाया गया। कबीर, सूरदास, तुलसीदास और मीराबाई जैसे प्रसिद्ध संतों ने क्षेत्रीय भाषाओं में रचना की, जिसने उत्तर में आंदोलन के विस्तार में योगदान दिया। संत कबीर के शिष्य, गुरु रविदास ने परम आत्मा के निर्गुण रूपों की पूजा पर जोर देकर इस प्रसार को आगे बढ़ाया।
<p>सुर्खियों में स्थल</p> <p>नीदरलैंड्स</p>	<p>हाल ही में, भारत के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में नीदरलैंड्स की रक्षा मंत्री सुश्री काजसा ओलोग्रेन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। नीदरलैंड्स (राजधानी: एम्स्टर्डम)</p>  <p>स्थान: नीदरलैंड्स, जिसे हॉलैंड के नाम से भी जाना जाता है, उत्तर-पश्चिमी यूरोप में स्थित एक देश है। सीमाएँ: नीदरलैंड्स की सीमा पूर्व में जर्मनी, दक्षिण में बेल्जियम और उत्तर और पश्चिम में उत्तरी सागर से मिलती है। भौतिक विशेषताएँ:</p> <ul style="list-style-type: none"> नीदरलैंड्स में सबसे ऊँचा प्राकृतिक बिंदु वॉल्सबर्ग है। नीदरलैंड्स राइन, मीयूज और स्केल्ड जैसी नदियों से जुड़ा हुआ है जो परिवहन, कृषि और देश के परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। <p>भारत-नीदरलैंड्स संबंध:</p> <ul style="list-style-type: none"> भारत और नीदरलैंड्स ने 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित किए, जिसने 2022 में 75 साल की राजनयिक भागीदारी को चिन्हित किया। नीदरलैंड्स यूरोप में भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और यह भारत में चौथा सबसे बड़ा निवेशक भी है। भारत ने अप्रैल-मई 2023-24 के दौरान पेट्रोलियम उत्पादों, दूरसंचार उपकरणों, एल्यूमीनियम, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, लोहा और इस्पात सहित विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का USD 3.29 बिलियन मूल्य का निर्यात नीदरलैंड्स को किया।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में, कृष्णा नदी के तट पर लगभग 1,200 साल पुराने लेबल शिलालेख के साथ दो बादामी चालुक्य मंदिरों की खोज किस राज्य में हुई थी? - तेलंगाना के मुदिमानिक्यम में
- रूसी राष्ट्रपति ने हाल ही में नव-आधुनिकीकृत टुपोलेव टीयू-160एम परमाणु-सक्षम सामरिक बमवर्षक का अनावरण कहाँ किया? - रूस के कज़ान में कज़ान एविएशन प्लांट में
- भारतीय और श्रीलंकाई तटरक्षक जहाजों ने हाल ही में मालदीव में आयोजित किस त्रिपक्षीय तटरक्षक अभ्यास में भाग लिया? - अभ्यास दोस्ती 16
- हैदराबाद स्थित किस संगठन ने दुनिया का पहला अरहर तीव्र प्रजनन प्रोटोकॉल विकसित करने की घोषणा की? - अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (ICRISAT)
- हाल ही में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को किस शहर में स्थापित किया गया था, जो भारत और थाईलैंड के बीच एक महत्वपूर्ण घटना है? - बैंकॉक

